रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

खेलों की लोकप्रियता ने खेल पत्रकारिता को दी नई दिशा – कुलपति प्रो. मिश्र

रादुविवि पत्रकारिता विभाग व महाकौशल क्रीड़ा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ''विश्व खेल पत्रकारिता दिवस'' के उपलक्ष्य में ऑनलाईन गोष्ठी का आयोजन

जबलपुर 02 जुलाई। भारत में खेलों की लोकप्रियता बहुत अधिक हैं यही वजह हैं कि इस फील्ड में रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकार भी पब्लिक फिगर बन जाते हैं। पूरे विश्व में खेलों के सतत आयोजन और संचार माध्यम में तकनीक के विकास से इस क्षेत्र में प्रतियोगिता भी उतनी ही बढ़ी है मगर आज ऑनलाइन पत्रकारिता के दौर में रूचि रखने वाला एक कामयाब खेल पत्रकार अपने करियर का बन्दोबस्त ऑनलाइन प्लेटफोर्म पर भी कर सकता हैं। खेल पत्रकारिता का क्षेत्र युवाओं के लिए कैरियर बनाने की दृष्टि से उपयोगी साबित हो सकता है। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने 'विश्व खेल पत्रकारिता दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाईन गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय पत्रकारिता विभाग एवं महाकौशल क्रीड़ा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में विश्व खेल पत्रकारिता दिवस 2021 के अवसर पर ''वर्तमान परिदृश्य में टोक्यो ओलम्पिक खेल एवं रिपोर्टिंग के समक्ष चुनौतियां'' विषय पर ऑनलाईन गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाकौशल क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत मिश्र ने खेल पत्रकारिता में वरिष्ठ पत्रकार स्व. प्रभात जोशी को याद करते हुए पत्रकारिता में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि खेलों की रिपोर्टिंग करना बड़ा ही धैर्य और अनुभव का काम है. सामान्य रिपोर्टिंग से हटकर खेल पत्रकारिता को दुष्कर माना जाता है. इसके लिए व्यापक अनुभव खेलों के सम्बन्ध में पर्याप्त ज्ञान उसके लिए बने हुए नियम समय समय पर किये गये बदलावों की सम्पूर्ण जानकारी, सम्बन्धित रिकॉर्ड की जानकारी होना आवश्यक है। खेल संगठनो के बारे में जानकारी के साथ साथ राष्ट्रिय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लिए गये निर्णयों सभावित मैचों, विशेष खिलाड़ियों की सम्पूर्ण जानकारी उनके रोमांचकारी प्रदर्शन के अंशो के बारे में ज्ञान की अपेक्षा एक रिपोर्टर से की जाती है।

कोरोना काल में ओलम्पिक एवं खेल रिपोर्टिंग की चुनौती–

विवि कला संकायाध्यक्ष एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने कहा कि अन्य समाचारों या समाचार रिपोर्टरों की तरह खेल समाचारों के रिपोर्टरों से भी अपेक्षा की जाती है कि वे पक्षपातहीन रिपोर्टिंग के साथ साथ मैच का सही वर्णन करे तथा ईमानदारी से करे। अब ओलपिंक खेलों के शुरू होने में कुछ ही ज्यादा दिन रह गए हैं। इस बीच कोरोना संक्रामण के बीच ये खेल जापान में शुरू होने वाले हैं। कोरोना संक्रमण के बीच इन खेल आयोजनों की रिपोर्टिंग चुनौतिपूर्ण होगी क्योंकि कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए खेलों की रिपोर्टिंग चुनौतिपूर्ण होगी। ऑनलाईन संगोष्ठी के अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता के रूप में **वरिष्ठ खेल पत्रकार श्री शैलेष मिश्र** ने जबलुपर में खेल पत्रकारिता के इतिहास को रेखांकित करते हुए बताया कि जबलपुर की खेल पत्रकारिता को पल्लवित एवं पोषित करने में संस्कारधानी की आयुद्ध निर्माणियों, रेलवे, पुलिस, विद्युत विभाग की महत्वपूर्ण भमिका है जिन्होने सतत विभिन्न विधाओं के खेलों के आयोजन किये और से खेल पत्रकारिता के लिए मील का पत्थर साबित हुए। टोक्यो ओलम्पिक में आयोजित खेलों में भाग लेने के लिए 206 देशों से हजारों की संख्या में खिलाड़ी, कोच, सपोर्ट स्टाफ, अधिकारी और पत्रकार जापान जाएंगे। संक्रमण काल में बचते हुए की गई रिपोर्टिंग आदर्श रिपोर्टिंग होगी और कई खेल पत्रकारों को कुछ नया सीखने मिलेगा। ऑनलाईन गोष्ठी का **संचालन** महाकौशल क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत मिश्र एवं आभार प्रदर्शन डॉ. मोहम्मद जावेद ने किया। इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. मोहनिका गजभिये सहित बीएएमसी, एमएएमसी, बीजेसी, एमजेसी के छात्र–छात्राएं वर्चुअल माध्यम ये जुड़े रहे। वर्चुअल होस्ट की भूमिका का निर्वहन छात्र अमरकांत चौधरी ने निभाई।